DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR

BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
Mob- 9415376545

B.A PART-II Paper-IV (Indian Government and Politics)

LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No................ Lecture No. 17 & 18 Date 19/08/20

राजनीतिक समाजीकरण
(Political Socialisation)

राजनीतिक समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा राजनीतिक संस्कृतियों का अनुरक्षण और उसमें परिवर्तन किया जाता है। समाजीकरण के माध्यम से व्यक्तियों को राजनीतिक संस्कृतियों में शामिल किया जाता है। तभी राजनीतिक वस्तुओं के प्रति उनके अभिविन्यास का निर्माण किया जाता है। दूसरे शब्दों में ~~समाजी~~ समाजीकरण उस शिक्षण प्रक्रिया की ओर निर्देश करता है जिसके द्वारा सुसंचालित राजनीतिक व्यवस्था के लिए स्वीकार्य मानकों और व्यवहारों को एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी तक सम्प्रेषित किया जाता है। राजनीतिक समाजीकरण का उद्देश्य व्यक्तियों का इस तरह से प्रशिक्षण और विकास करना है कि वे राजनीतिक समुदाय के सुकार्यकारी सदस्य बन सकें।

राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया सामान्यतः आकस्मिक अथवा अदृश्य रूप से कार्य करती है। इसका अर्थ यह है कि यह शान्त और सौम्य रूप से संचालित होती है कि कई बार लोगों को इसके संचालन की खबर भी नहीं होती है। राजनीतिकरण की संकल्पनाओं में प्रधान बल एक पीढ़ी तक राजनीतिक मूल्यों के संप्रेषण पर दिया जाता है। किसी राजनीतिक अथवा सामाजिक व्यवस्था की स्थिरता इस तथ्य के कारण इसके सदस्यों के राजनीतिक समाजीकरण पर निर्भर करती है कि कुछ अच्छा/कार्यकारी नागरिक मानकों को अंगीकार कर ले और उन्हें भावी पीढ़ियों को संप्रेषित करे। उदाहरण के लिए ब्रिटेन में नागरिकों को प्रशिक्षित कर इस बात का अभ्यस्त बनाया जाता है कि वे परिवर्तन करने के लिए संवैधानिक उपायों को स्वीकार कर लें बजाय इसके कि इन मामलों को सड़कों पर ले जायें

PTO

Scanned with CamScanner

BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
Mob. 9415376545

या हिंसात्मक उथल-पुथल की अवस्थायें पैदा करें।

सामान्य शब्दों में कहा जाय तो राजनीतिक समाजीकरण एक ऐसा विचार है जो राजनीतिक स्थायित्व (Political Stablization) के लक्ष्य को प्राप्त करने की अपेक्षा करता है।

विचारक सीगल के शब्दों में "राजनीतिक समाजीकरण से अभिप्राय सीख की वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा प्रचलित राजनीतिक व्यवस्था द्वारा स्वीकृत राजनीतिक आदर्श एवं व्यवहार पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तान्तरित होते हैं।" लैंग्टन के शब्दों में "~~समाज~~ राजनीतिक समाजीकरण वह तरीका है जिसके द्वारा राजनीतिक समाज राजनीतिक संस्कृति को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तान्तरित करता है।"

डेविड ईस्टन के शब्दों में "किसी प्रकार से एक प्रौढ़ पीढ़ी युवा पीढ़ी को अपने जैसे प्रौढ़ प्रतिरूप (~~Adult~~ Adult image) में ढालती है। यह समाजीकरण है।"

आमण्ड एवं पावेल ने राजनीतिक समाजीकरण को एक ऐसी प्रक्रिया माना है जिसके द्वारा व्यक्ति राजनीतिक संस्कृति में प्रवेश करता है। राजनीतिक वस्तुओं के प्रतिज्ञान प्राप्त करता है। अपने प्रतिमानों, अभिकांक्षाओं का निर्माण करता है। अपने व्यवहार की रीति निर्धारित करता है अर्थात वह राजनीतिक संस्कृति एवं प्रकृति का अंग बनती है। उनका मत है कि यह अवधारणा आधुनिक युग में इसलिए विशेष महत्व रखती है कि इसके माध्यम से राजनीतिक स्थायित्वता एवं विकास को सरलता से समझा जा सकता है। आधुनिक युग के नए राज्यों के उदय के कारणवश संचार साधनों में निरन्तर विकास के कारणवश, तकनीकी खोजों के परिणाम स्वरूप समाजीकरण की प्रक्रिया आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में विशेष स्थान रखती है।

Scanned with CamScanner

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR

BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
Mob- 9715376545

B.A PART- II Paper- IV (Indian Government and Politics)

LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No................ Date. 19/8/20

राजनीतिक समाजीकरण का उद्देश्य नागरिकों को ज्ञान प्रदान कर समाज के अच्छे कार्यवाहक बनाना है। क्योंकि राजनीतिक पद्धति में एकता के अभाव में राजनीतिक प्रक्रिया असंभव हो जाती है। जिससे पद्धति के स्थायित्व को खतरा उत्पन्न हो जाता है। इस प्रकार राजनीतिक समाजीकरण उन मूल्यों, प्रतिमानों और दृष्टिकोणों के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कराता है ताकि व्यक्ति अच्छे नागरिकों के रूप में आने वाली पीढ़ियों पर अच्छा प्रभाव डाल सके। इसमें कोई संदेह नहीं की कि जब बच्चा उत्पन्न होता है तो वह ज्ञानप्राप्त व्यक्ति नहीं होता, वह राजनीतिक ज्ञान आहिस्ता-आहिस्ता प्राप्त करता है। राजनीतिक समाजीकरण के लिए केवल ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है उसके लिए यह भी आवश्यक है कि वह अपने मूल्य और प्रतिमान बना ले तभी वह अच्छा नागरिक बन सकेगा। राजनीतिक समाजीकरण उस समय आरंभ होता है जब एक बच्चा पर्यावरण में प्रवेश करता है। वह अनेक प्रकार की परिस्थितियों के सम्पर्क में आता है जिनके माध्यम से वह ज्ञान प्राप्त करता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें बच्चा सत्ता, आज्ञा, विरोध, सहभागिता के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करता है। ईस्टन और डेनिंग ने बच्चे के जीवन में चार सतों का वर्णन करते हैं जिसके द्वारा बच्चा राजनीतिक समाजीकरण एवं राजनीतिक संस्कृति में प्रवेश करता है।

(1) विशेष व्यक्तियों के माध्यम से सत्ता की मान्यता।
(2) सार्वजनिक एवं निजी सत्ता में अन्तर।
(3) राजनीतिक संस्थाओं एवं व्यवहार के सम्बन्ध में ज्ञान।
(4) राजनीतिक संस्थाओं और व्यक्ति विशेष के महत्व में अन्तर।

(समाप्त)

Scanned with CamScanner